

2019

LAW

विधि

Time Allowed : 3 hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 300
पूर्णांक : 300

Instructions :

- The figures in the margin indicate full marks.
- Answer **six** questions in all, selecting **three** from each Section. (Answer **three** questions selecting not more than **two** from any one Part of Section-I and answer **three** questions, selecting not more than **one** question from any one Part of Section-II.)
- Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
- All questions have been printed both in English and Hindi. In case of any ambiguity in Hindi version, the English version shall be considered authentic.
- Parts of the same question must be answered together and must not be interposed between answers to other questions.

अनुदेश :

- उपान्त के अंक पूर्णांक के द्योतक हैं।
- कुल छः प्रश्नों के उत्तर दें, जिनमें प्रत्येक खण्ड से तीन प्रश्न चुने जाएँ। (प्रश्नों के उत्तर देते समय ध्यान रखें कि खण्ड-I के किसी एक भाग से दो से अधिक प्रश्न न चुने जाएँ और इसी प्रकार खण्ड-II के किसी एक भाग से एक से अधिक प्रश्न न चुने जाएँ।)
- परीक्षार्थी यथासम्भव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
- सभी प्रश्न अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषा में छपे हैं। यदि हिन्दी भाषा में कोई संदेह है, तो अंग्रेजी भाषा को ही प्रामाणिक माना जाएगा।
- एक ही प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से एक साथ ही लिखे जाएँ तथा उनके बीच में अन्य प्रश्नों के उत्तर न लिखे जाएँ।

SECTION—I / खण्ड—I

PART—1 / भाग—1

1. (a) The President is the head of the State and its formal executive head. The Central Executive exercises very broad and varied functions. Discuss the powers and functions of the President under the Indian Constitution. Whether he is a de facto head or a de jure head of the Government? State reasons for your explanation.

25

- (b) The Chief Minister of State A upon the completion of 3 years of 5 years tenure of his government recommends to the Governor of the State the dissolution of the Legislative Assembly and holding of elections on the ground of seeking a fresh mandate from the people. The Governor refuses to dissolve the Legislative Assembly on the ground that the entire period of 5 years of the State Government has not elapsed and instead recommends imposition of President's Rule under the Article 356 of the Constitution.

Discuss the validity of the Governor's action in the light of constitutional provisions and case law on the point. To what extent judicial review can be exercised by the Courts in such cases?

25

(क) राष्ट्रपति राज्य का मुखिया और उसका औपचारिक कार्यकारी मुखिया होता है। केन्द्रीय कार्यपालिका में अति विस्तृत तथा कई तरह की शक्तियाँ निहित हैं। भारतीय संविधान में राष्ट्रपति को प्रदत्त शक्तियों एवं उनके कार्यक्षेत्र का विस्तार से विवेचन कीजिए तथा कारण सहित यह भी स्पष्ट कीजिए कि वह सरकार का डी फैक्टो (de facto) मुखिया है अथवा डी ज्युरे (de jure) मुखिया है।

(ख) राज्य A का मुख्यमंत्री अपनी सरकार के 5 वर्ष के शासनकाल में से 3 वर्ष के पूरा होने पर राज्य के राज्यपाल से विधान सभा भंग किये जाने और जनता से नया जनादेश प्राप्त करने के उद्देश्य से चुनाव आयोजित करने की सिफारिश करता है। राज्यपाल इस आधार पर विधान सभा को भंग करने से इंकार कर देता है कि राज्य सरकार के कार्यकाल की 5 वर्ष की पूरी अवधि व्यतीत नहीं हुई है तथा वह इसके बजाय संविधान के अनुच्छेद 356 के अधीन राष्ट्रपति शासन अधिरोपित करने की सिफारिश कर देता है।

सांविधानिक प्रावधानों व निर्णीत वादों के मद्देनजर राज्यपाल की कार्यवाही की विधिक मान्यता का विवेचन कीजिए। ऐसे मामलों में न्यायालय किस सीमा तक अपने न्यायिक पुनर्विलोकन की शक्तियों का इस्तेमाल कर सकता है?

2. (a) "The concept of 'right to equality' enshrined under the Article 14 of the Constitution of India was initially interpreted by the Supreme Court of India in isolation, but with the passage of time the Supreme Court has started

interpreting this concept in the light of provisions of the Articles 19 & 21 of the Constitution." Discuss this statement by referring to the latest Supreme Court judgements.

25

- (b) (i) "Regulatory measures and compensatory taxes are outside the scope of the Article 301 of the Constitution." Discuss this statement with reference to decided cases.

12½

- (ii) "State B issued a notification under the State Sales Tax Act exempting new units manufacturing television sets within the State from paying sales tax for a period of three years from the date of setting up of the manufacturing unit in the State." This notification is challenged as ultra vires to the Constitution. Discuss the validity of the said notification by referring to relevant case laws.

12½

- (क) "भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 में प्रदत्त 'समानता का अधिकार' शब्द की व्याख्या उच्चतम न्यायालय द्वारा पहले अलग से ही की जाती थी लेकिन समय के साथ-साथ उच्चतम न्यायालय ने इसकी व्याख्या संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 के परिप्रेक्ष्य में करना शुरू कर दी।" उच्चतम न्यायालय द्वारा दिये गये ताजा निर्णयों के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए।

(ख) (i) “नियामक उपाय और प्रतिकारी कर संविधान के अनुच्छेद 301 की व्याप्ति से बाहर है।” निर्णीत वादों के संदर्भ में उक्त कथन की विवेचना कीजिए।

(ii) “राज्य B ने राज्य बिक्री कर अधिनियम के अधीन अधिसूचना जारी कर राज्य में विनिर्माण इकाई स्थापित करने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि तक टेलीविजन सेट विनिर्माण करने वाली नयी इकाइयों को बिक्रीकर की अदायगी से छूट दी।” इस अधिसूचना को संविधान के अधिकारातीत बताते हुए आक्षेपित किया गया। सूसंगत निर्णय विधि के परिप्रेक्ष्य में उक्त अधिसूचना की विधिक मान्यता को स्पष्ट कीजिए।

3. (a) “The provisions of Parts 3 and 4 of the Constitution of India should be interpreted and be given meaning and content in the light of international documents to which India is signatory.” Analyse this statement by referring to decided cases.

25

(b) “The principles of natural justice play an important role in deciding the constitutionality of delegated legislation by Courts.” Critically evaluate this statement.

25

- (क) “भारतीय संविधान के पार्ट 3 और 4 के प्रावधानों की व्याख्या और उनका अर्थान्वयन तथा विषय-वर्णन उन अन्तर्राष्ट्रीय दस्तावेजों के परिप्रेक्ष्य में किया जाना चाहिए जो भारत द्वारा हस्ताक्षरित हैं।” निर्णीत वादों के संदर्भ में इस कथन का विश्लेषण कीजिए।
- (ख) “न्यायालयों द्वारा प्रत्यायोजित विधायन की संवैधानिकता पर निर्णय करने में नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।” इस कथन का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

PART—2 / भाग—2

4. (a) “International law is not a law in true sense, hence it is not binding on the states.” Analyse this statement and also explain the nature of international law. 25
- (b) Write a critical note on the relationship between international law and municipal law. 25

- (क) “अंतर्राष्ट्रीय विधि सही मायने में विधि नहीं है, इसीलिये यह राज्यों पर बाध्यकारी नहीं है।” इस कथन का विश्लेषण कीजिए और अंतर्राष्ट्रीय विधि की प्रकृति को भी समझाइए।
- (ख) अंतर्राष्ट्रीय विधि तथा राष्ट्रीय विधि के बीच के संबंधों पर एक समालोचनात्मक लेख लिखिए।

5. (a) "Co-existential theory is the basis of treaties. Treaties pave way for coordination and cooperation between the signatory countries." Analyse this statement and also explain when and how a treaty becomes applicable and how and when it can be terminated. 25

(b) What ways and means can be adopted when the dispute between the nations cannot be settled by peaceful means? Explain. 25

(क) "सह-अस्तित्व का सिद्धांत संधियों का आधार होता है। संधियाँ दस्तखती राष्ट्रों के बीच समन्वय और सहयोग का मार्ग प्रशस्त करती हैं।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए और यह भी बताइए कि इसका उपयोजन तथा पर्यवसान कब व कैसे किया जा सकता है।

(ख) जब राष्ट्रों के बीच विवादों का निपटारा शांतिपूर्ण तरीके से नहीं निपटाया जा सकता है तब राष्ट्र कौन-से तौर और तरीके से निपटारा कर सकते हैं? समझाइए।

6. (a) Critically examine the significance of General Assembly and Security Council of the United Nations. Conferring Veto Power on permanent members of Security Council is the main hurdle in resolving many international disputes. Do you agree with this? Give reasons in support of your answer. 25

- (b) Explain in detail the rights and privileges conferred on the diplomats and consuls. Also explain the reasons for conferring such rights and privileges. 25
- (क) संयुक्त राष्ट्र संघ की जनरल एसेम्बली और सिक्योरिटी काउंसिल की उपादेयता का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। सिक्योरिटी काउंसिल के स्थायी सदस्यों को दिया गया वीटो पावर ही मुख्य बाधा है जिसके कारण कई अंतर्राष्ट्रीय विवादों का निपटारा नहीं हो सकता है। क्या आप इस कथन से सहमत हैं? कारण सहित अपना उत्तर दीजिए।
- (ख) राजनयिकों और वाणिज्य दूतों को प्रदत्त अधिकारों एवं विशेषाधिकारों को विस्तार से समझाइए। यह भी समझाइए कि इन अधिकारों और विशेषाधिकारों को प्रदत्त करने के क्या कारण हैं।

SECTION—II / खण्ड—II

PART—1 / भाग—1

7. (a) Write detailed notes on the following :
- (i) Scope of intention, preparation and attempt to commit a crime 7
 - (ii) Plea bargaining as a measure to reduce arrears in courts 6
 - (iii) Intoxication as a ground of defence 6
 - (iv) Territorial and extra-territorial application of Indian Penal Code 6

- (b) "Insisting upon the existence of mens rea to punish persons for violation of public welfare legislations may frustrate the purpose of these Acts and the object for which they have been enacted." Analyse this statement in the light of decided cases in India.

25

(क) निम्नलिखित पर विस्तारित लेख लिखिए :

(i) अपराध कारित करने का आशय, तैयारी और प्रयत्न की व्याप्ति

(ii) न्यायालयों में बकाया पड़े मामलों में कमी लाने के उपाय के रूप में हल्का दोष कबूल (plea bargaining) करना ताकि सजा देते समय नरमी बरती जाए

(iii) प्रतिरक्षा के रूप में (आधार के रूप में) मत्तता

(iv) क्षेत्राधिकारीय एवं क्षेत्राधिकार के बाहर भारतीय दण्ड संहिता का लागू होना

- (ख) "लोक कल्याण विधानों के उल्लंघन करने पर व्यक्तियों को दंडित करने के लिये आपराधिक मनःस्थिति की मौजूदगी पर बल देने से इन अधिनियमों का प्रयोजन और वह उद्देश्य जिसके लिये इन्हें अधिनियमित किया गया था, ही नष्ट हो सकता है।" भारत में निर्णीत वादों के मद्देनजर इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

8. (a) (i) Anil took out his brand new car for the first ride. The bumper of Anil's car was damaged after being hit by Murali's shooter who could not stop it in time at the red light. Anil became furious and started abusing Murali. Murali objected to the abusive language. This infuriated Anil more and he started slapping Murali. Murali used his hockey stick to beat Anil. Anil took out his cricket bat from his car and beaten Murali to death. Anil has been charged with murder. Prepare arguments in the defence of Anil. 12½
- (ii) Mr. P a manager of a transport firm in collusion with a spare-parts dealer attempted to show false delivery of spare-parts to his firm by forging the signature of his Managing Director on the invoice after which it was to be presented for payment. Mr. P was caught when he himself had not signed the challan evidencing receipts of goods. Mr. P is being prosecuted for offence of attempt to cheat under Section 420 read with 511 of Indian Penal Code. Will the prosecution succeed? Give reasons. 12½

(b) (i) Write a critical note on the implementation aspect of the Prevention of Food Adulteration Act. Give your suggestions for making it more effective. 12½

(ii) Write a detailed note on the Protection of Civil Rights Act, 1955 highlighting its historical background. 12½

(क) (i) अनिल ने अपनी बिलकुल नयी कार पहली बार चलाने के लिये बाहर निकाली। अनिल की कार का बम्पर मुरली के स्कूटर की टक्कर से क्षतिग्रस्त हो गया क्योंकि मुरली अपना स्कूटर लाल बत्ती पर समय पर रोक नहीं पाया। अनिल क्रोधित हो उठा और उसने मुरली को गाली देना शुरू कर दिया। मुरली ने इस पर आपत्ति उठाई। इससे अनिल और अधिक कुपित हो गया और उसने मुरली को चपत मार दी। मुरली ने बदले में अनिल को पीटने के लिये अपनी हॉकी स्टिक का प्रयोग किया। अनिल ने इस पर अपनी कार से क्रिकेट का बल्ला निकाला और मुरली को पीटकर मार डाला। अनिल पर हत्या का आरोप लगाया गया है। अनिल के बचाव में अपने तर्क तैयार कीजिए।

(ii) एक ट्रांसपोर्ट फर्म के प्रबंधक श्री P ने स्पेयर पार्ट्स के व्यापारी के साथ मिलकर इनवॉइस (invoice) पर अपने प्रबंध निदेशक के हस्ताक्षरों की कूटरचना करके अपनी फर्म को स्पेयर पार्ट्स की मिथ्या डिलीवरी दर्शाने का प्रयास किया। इनवॉइस को बाद

में भुगतान हेतु पेश किया जाएगा। जब श्री P ने माल की प्राप्ति को प्रमाणित करने वाले चालान पर हस्ताक्षर नहीं किये तब उसे पकड़ लिया गया। श्री P पर भारतीय दण्ड संहिता की धारा 420 सपठित धारा 511 के तहत छल का प्रयास करने के लिये अभियोग चलाया जा रहा है। क्या अभियोजक सफल हो पाएगा? कारण सहित जवाब दीजिए।

- (ख) (i) खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम को लागू करने के पहलू पर आलोचनात्मक टिप्पणी लिखिए। इसे और ज्यादा प्रभावी बनाने के लिये अपने सुझाव दीजिए।
- (ii) सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 पर उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के मद्देनजर एक विस्तारित लेख लिखिए।

PART—2 / भाग—2

9. (a) (i) Discuss in brief the general exceptions to liability in torts with the help of suitable illustrations. 12½
- (ii) State and explain the principles governing vicarious liability with the help of recent judgements. 12½
- (b) Distinguish between the following :
- 12½×2=25
- (i) Tortious liability and contractual liability
- (ii) Damnum sine injuria and injuria sine demno

- (क) (i) उचित उदाहरण देते हुए अपकृत्य में दायित्व के सामान्य अपवादों को संक्षेप में समझाइए।
(ii) प्रत्यायुक्त दायित्व के निर्धारण के सिद्धांतों को दर्शाइए और उन्हें ताजा निर्णयों की मदद से समझाइए।

(ख) निम्नलिखित के बीच भेद स्पष्ट कीजिए :

- (i) अपकृत्यात्मक दायित्व और संविदात्मक दायित्व
(ii) बिना क्षति के हानि और बिना हानि के क्षति

10. (a) Elucidate the maxim 'volenti non fit injuria'. Whether only knowledge of danger or risk on the part of plaintiff is sufficient to invoke the defence? Discuss with the help of case law. 25
(b) Discuss the essentials of defamation and defences available in defamation with the help of decided cases. 25

(क) सूत्र 'volenti non fit injuria' की विस्तृत व्याख्या कीजिए। क्या वादी को खतरे या जोखिम की जानकारी होना मात्र इसकी प्रतिरक्षा का अवलम्ब लेने के लिये पर्याप्त होती है? निर्णीत वादों की सहायता से इसका विवेचन कीजिए।

(ख) निर्णीत वादों की सहायता से मानहानि के मूल तत्त्वों और मानहानि के मामले में उपलब्ध होने वाले बचावों को विस्तार से समझाइए।

PART—3 / भाग—3

11. (a) Who is a 'consumer'? What is the mechanism for the enforcement of consumers rights under the Consumer Protection Act, 1986? Give an account of merits and demerits of the mechanism. 25

(b) Write a detailed note on the formation and dissolution of partnership. 25

(क) 'उपभोक्ता' कौन है? उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत उपभोक्ताओं के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिये क्या मेकेनिज्म दिया गया है? इस मेकेनिज्म के गुण व अवगुणों का ब्यौरा भी दीजिए।

(ख) भागीदारी का निर्माण और उसके विघटन पर विस्तार से एक निबंध लिखिए।

12. (a) Explain the different types of contracts that can be formed under the Indian Contract Act. Also discuss the remedies available to the parties in case of breach of contract. 25

(b) Discuss the facts, contentions and decision of the Court in following cases :

12½×2=25

(i) *Carlill, vs. Carbolic Smoke Ball Co.*

(ii) *Mohori Bibee vs. Dharmodas Ghose*

(क) भारतीय संविदा विधि अधिनियम के तहत कितने प्रकार की संविदाएँ की जा सकती हैं, समझाइए। यह भी बताइए कि संविदा भंग के मामले में पक्षकारों को क्या-क्या उपचार उपलब्ध हैं।

(ख) निम्नलिखितवादों के तथ्य, विवादित बिन्दू एवं न्यायालय के निर्णय को समझाइए :

(i) कार्लिल बनाम कार्बोलिक स्मोक बॉल कम्पनी

(ii) मोहरी बीबी बनाम धर्मदास घोष

★ ★ ★